



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-03-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-03-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-03-11	2026-03-12	2026-03-13	2026-03-14	2026-03-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	32.0	33.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	18.0	18.0	18.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	81	76	80	82	79
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	56	58	62	55	63
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	8	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	14	14	27	33	30
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	1	1	2
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं				

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सात दिनों (3 से 9 मार्च) के दौरान कोई बारिश नहीं हुई, जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.6-31.1 डिग्री सेल्सियस और 10.9-19.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। अधिकांश दिनों में मौसम साफ रहा, दोपहर में गर्मी रही। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 85-100% और 40-57% के बीच रही। हवा की गति ज्यादातर 1.5-5.9 किमी प्रति घंटा के बीच रही और मुख्य रूप से दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण और पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशाओं से बह रही थी। अगले 5 दिनों के पूर्वानुमान में बारिश की कोई संभावना नहीं है और अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.0-34.0 डिग्री सेल्सियस और 17-20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवा की गति उत्तर-पूर्व, उत्तर-उत्तर-पूर्व और उत्तर-पूर्व-उत्तर दिशाओं से 6-8 किमी प्रति घंटा रहने का अनुमान है। कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और आने वाले सप्ताह में भी मौसम शुष्क बना रहेगा।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई खास चेतावनी नहीं दी गई है, लेकिन तापमान में वृद्धि जारी रहेगी।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

तापमान में वृद्धि जारी रहेगी और इससे गेहूं में दाने भरने और दलहन फसलों में फली भरने की प्रक्रिया प्रभावित होगी। बढ़ते तापमान के कारण बागवानी फसलों पर भी दबाव पड़ सकता है। फसलों में तापमान बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान "मौसम ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट किया जाता है और मौसम संबंधी कृषि सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी ऐप" उपलब्ध है। मौसम, मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 6 से 12 मार्च तक के विस्तारित पूर्वानुमान में कम वर्षा और सामान्य से अधिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान का संकेत मिलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शुष्क मौसम जारी रहेगा और तापमान बढ़ सकता है, इसलिए तापमान को नियंत्रित रखने के लिए फसलों को नियमित रूप से सिंचाई प्रदान की जानी चाहिए।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चना	तापमान को बनाए रखने के लिए नियमित सिंचाई करनी चाहिए। कीट स्तर की निगरानी के लिए फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। कीटों के हमले से निपटने के लिए जैविक और रसायनिक नियंत्रण उपाय अपनाने चाहिए। कीटों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए रात में फेरोमोन या लाइट ट्रैप का उपयोग किया जा सकता है। कीटों को नियंत्रित करने के लिए 5% नीम के बीज के अर्क (नीम सीड कर्नेल एक्सट्रैक्ट) का भी उपयोग किया जा सकता है। क्लोरोपाइरीफोस 20 ईसी 2.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से रासायनिक नियंत्रण उपाय किए जा सकते हैं।
मसूर की दाल	तापमान को बनाए रखने के लिए नियमित सिंचाई करनी चाहिए। कीट स्तर की निगरानी के लिए फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। कीटों के हमले से निपटने के लिए जैविक और रसायनिक नियंत्रण उपाय अपनाने चाहिए। कीटों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए रात में फेरोमोन या लाइट ट्रैप का उपयोग किया जा सकता है। कीटों को नियंत्रित करने के लिए 5% नीम के बीज के अर्क (नीम सीड कर्नेल एक्सट्रैक्ट) का भी उपयोग किया जा सकता है। क्लोरोपाइरीफोस 20 ईसी 2.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से रासायनिक नियंत्रण उपाय किए जा सकते हैं।
रेपसीड	यदि फसल पक गई हो तो फलियों को तोड़कर धूप में सुखा लें। फली बनने की अवस्था में फसलों को नियमित रूप से सिंचाई प्रदान करें। मूह के हमले की स्थिति में, जीवाश्म या रासायनिक नियंत्रण उपायों का प्रयोग करें, यदि नियमित निगरानी के अनुसार कीट की संख्या ईटील स्तर से अधिक हो, तो पीले चिपचिपे जालों का उपयोग करें। रासायनिक नियंत्रण के लिए ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 ईसी (1 मिली/लीटर) या डाइमिथोएट 30 ईसी (1 मिली/लीटर) का प्रयोग किया जा सकता है।
सरसों	यदि फसल पक गई हो तो फलियों को तोड़कर धूप में सुखा लें। फली बनने की अवस्था में फसलों को नियमित रूप से सिंचाई प्रदान करें। मूह के हमले की स्थिति में, जीवाश्म या रासायनिक नियंत्रण उपायों का प्रयोग करें, यदि नियमित निगरानी के अनुसार कीट की संख्या ईटील स्तर से अधिक हो, तो पीले चिपचिपे जालों का उपयोग करें। रासायनिक नियंत्रण के लिए ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 ईसी (1 मिली/लीटर) या डाइमिथोएट 30 ईसी (1 मिली/लीटर) का प्रयोग किया जा सकता है।
गेहूँ	नियमित सिंचाई की जानी चाहिए और खरपतवारों की निगरानी की जानी चाहिए। फैलारिस माइनर को नियंत्रित करने के लिए क्लोडीनाफोप (60 ग्राम/हेक्टेयर) या फेनोक्साप्रोप (100-120 ग्राम/हेक्टेयर) का उपयोग करके रासायनिक नियंत्रण किया जा सकता है।
गन्ना	वसंत ऋतु में गन्ने की रोपाई अच्छी तरह से उपचारित और प्रतिरोधी किस्मों के बीजों से की जानी चाहिए। शरद ऋतु में बोए गए गन्ने में आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
चारा मक्की	अनुशंसित चारा मक्का किस्मों की बुवाई की जानी चाहिए और बोए गए खेतों में सिंचाई की जानी चाहिए।
ग्वारफली	अनुशंसित किस्मों की बुवाई की जानी चाहिए और बोई गई क्यारियों में सिंचाई की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेम की फली	फ्रेंचबीन की बुवाई कर देनी चाहिए और तापमान को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जी पीईए	आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और उचित कीट नियंत्रण किया जाना चाहिए। पकी हुई फलियों को तोड़कर बिक्री के लिए भेज देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	गायों/भैंसों में संक्रामक दस्त होने पर, ई. कोलाई का टीका मुंह से देना चाहिए। और 2 महीने के बछड़ों को कृमिनाशक दवा देनी चाहिए। जानवरों को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए और उन्हें उचित शेड में रखना चाहिए। उनके लिए नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।
गाय	गायों/भैंसों में संक्रामक दस्त होने पर, ई. कोलाई का टीका मुंह से देना चाहिए। और 2 महीने के बछड़ों को कृमिनाशक दवा देनी चाहिए। जानवरों को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए और उन्हें उचित शेड में रखना चाहिए। उनके लिए नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।
बकरा	ऊन उत्पादन के लिए, ऊन काटने से पहले भेड़/बकरियों को अच्छी तरह से साफ करें। जानवरों को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए और उन्हें उचित बाड़ों में रखना चाहिए।
भेड़	ऊन उत्पादन के लिए, ऊन काटने से पहले भेड़/बकरियों को अच्छी तरह से साफ करें। जानवरों को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए और उन्हें उचित बाड़ों में रखना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

बढ़ते तापमान से गेहूं की फसल में दाने भरने और दलहन फसलों में फली भरने पर असर पड़ सकता है, जबकि बागवानी फसलों में फूल आने पर भी असर पड़ सकता है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

रबी की दलहन और अनाज की फसलों को नियमित रूप से सिंचाई प्रदान की जानी चाहिए, जबकि तापमान को बनाए रखने के लिए बागवानी फसलों की भी सिंचाई की जानी चाहिए।

Farmers are advised to download Unified  Mausam  and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details